रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
रविवार, 07 अप्रैल 2019, बरेली, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण
www.livehindustan.com

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के दीक्षांत समारोह में बोले केजीएमयू के कुलपति प्रो. ब्रह्मभट

शुरुआती अवस्था में रोग पकड़ना संभव

दीक्षांत समारोह

बरेली | प्रमुख संवाददाता

वर्तमान समय में नई-नई बीमारियों के आने से रोगों का मात्र अंदाज या अनुमान लगाकर ही इलाज किया जाता है परंतु नाभिकीय चिकित्सा में न केवल रोगों को बहुत आरंभिक अवस्था में पकड़ा जाता है वरन वह प्रभावशाली इलाज और दवाइयों के बारे में भी स्पष्टता से बहुत कुछ बता पाने में सक्षम है। यह कहना था किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. मदन लाल ब्रह्मभट का। वे शनिवार को एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के 8वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को नवीनतम तकनीकों के बारे में बता रहे थे।

प्रो. ब्रह्मभट ने छात्रों को अहंकार छोड़कर निःस्वार्थ भाव से कार्य को पूर्ण निष्ठा एवं लगन से करने की ओर प्रेरित किया। कहा कि आज चिकित्सा जगत में नित नवीनतम मशीनें एवं तकनीकों का अविष्कार एवं न्यूक्लीयर मेडिसिन का विकास निरंतर हो रहा है जिससे गंभीर से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो गया है।

नई तकनीक

- 8वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को नवीन तकनीक के बारे में बताया
- गंभीर से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो गया है

उन्होंने कहा कि विगत वर्षों के मुकाबले चिकित्सा जगत में हो रही अत्याधुनिक तकनीकों एवं शोधों साथ ही न्यूक्लीयर मेडिसिन के द्वारा रोगों के परीक्षण एवं उनके उपचार की महत्ता बताई।

इससे पहले श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एमबीबीएस 2013 बैच, पीजी (एमडी/एमएस) 2015 बैच का आठवां दीक्षांत समारोह हुआ। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. मदन लाल ब्रह्मभट, विशिष्ट अतिथि के रूप में रुहेलखंड विवि के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ल, एसआरएमएस समूह के चेयरमैन देव मूर्ति और प्रशासनिक निदेशक अदिति मूर्ति ने किया। प्राचार्य डॉ. एस.बी.गुप्ता ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। साथ ही एमबीबीएस 2013 बैच एवं पीजी (एमडी/एमएस) 2018 बैच के सभी

शनिवार को एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के 8वें दीक्षांत समारोह में समूह के चेयरमैन देव मूर्ति ने अतिथियों का स्वागत किया।

उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। चेयरमैन देव मूर्ति ने विभागों के विभागाध्यक्षों, चिकित्सकों एवं उपस्थित अभिभावकों का अभिवादन किया।

131 को मिली उपाधियां : उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दीक्षा ग्रहण कराई। संस्थान के प्राचार्य डा. एसबी गुप्ता ने उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों को एमसीआई की शपथ ग्रहण कराई। दीक्षांत समारोह में 91 एमबीबीएस छात्रों एवं 40 पीजी छात्रों को अतिथियों और चेयरमैन ने उपाधि, मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। ट्रस्टी आशा मूर्ति, रिचा मूर्ति, सुभाष मेहरा मौजूद थे।